टॉपर्स ने बताए सफलता के सूत्र, काउंसलर ने दिए टिप्स

वेबिनार 'उड़ान' में शामिल हुए विद्यार्थी

दैनिक जागरण द्वारा आयोजित वेबिनार उड़ान में हिस्सा लेते बोर्ड परीक्षाओं के टॉपर • जागरण

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: दैनिक जागरण द्वारा आयोजित वेबिनार 'उड़ान' में बुधवार को बोर्ड परीक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट और काउंसलर प्रो. डॉक्टर छवि भार्गव शर्मा ने विद्यार्थियों की हौसला अफजाई की और उनकी समस्याओं के समाधान बताए। इस दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि सफलता के लिए हर किसी के लिए कोई एक नियत सूत्र नहीं होता। अनुशासन के साथ पढ़ाई करना, समयबद्धता और माता-पिता व शिक्षकों के साथ बेहतर संपर्क बनाए रखना सबसे ज्यादा जरूरी है। इस वेबिनार में टॉपर्स के अलावा लैंडो फ्लोरेंस पब्लिक स्कूल, सिद्धेश्वर स्कूल, ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल के अलावा अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

देश और दुनिया की अन्य खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

शुरुआत से ही लक्ष्य तय कर लिया जाए कि अच्छे अंक लाने हैं। चाहे कुछ भी हो, समय सारिणी बनाकर नियमित पढ़ाई का सिलसिला कभी टूटने नहीं दें। –दिशा मुखर्जी, डीपीएस, गुरुग्राम, सेक्टर 45, 99 प्रतिशत अंक

अगर आप लक्ष्य रखकर अपने हिसाब से पढ़ाई करते हैं तो ऐसा कुछ भी नहीं है जो आप पा नहीं सकते। नियमित और समयबद्ध तरीके से पढ़ाई करनी चाहिए। –तान्या गुप्ता, सलवान पब्लिक स्कूल, सेक्टर 15, 98.6 प्रतिशत

हम दोनों भाई बहन के एक से अंक आए क्योंकि हम एक से विषय एक साथ पढ़ते थे। टाइमटेबल बनाकर पढ़ाई करने से बहुत फायदा होता है। –अनदिता मिश्रा, स्कॉटिश हाई इंटरनेशनल स्कूल, 99.2 प्रतिशत

पढ़ाई के लिए कभी समयसीमा निर्धारित नहीं करनी चाहिए। कमजोर विषयों को ज्यादा समय दें और अपने पसंदीदा विषयों को मन लगाकर पढ़ें। –आदित्य मिश्रा, स्कॉटिश हाई इंटरनेशनल स्कूल, 99.2 प्रतिशत

एनसीईआरटी की किताब से पढ़ाई करें। हर एक लाइन को अच्छी तरीके से पढ़ें। अन्य रेफरेंस किताबों से पहले एनसीईआरटी को अच्छी तरीके से पढ़ें। योहान कुमार, ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल, 96.8 प्रतिशत

नियमित पढ़ाई, अभ्यास और बीच-बीच में ब्रेक लेना बहुत जरूरी है। आप जिस समय में पढ़ना ज्यादा अच्छा महसूस करते हैं, उस समय में पढ़ाई करें। –कैथभजीत सिंह, श्रीराम स्कूल अरावली, 99.6 प्रतिशत

पढ़ाई के लिए कक्षा में मन लगाएं, अपने शब्दों में नोट्स बनाएं, अपने शिक्षकों और दोस्तों से शेयर करें। पढ़ाई के साथ-साथ अपने शौक भी पूरे करें। अरिजीत चौधरी, रेयान इंटरनेशनल स्कूल, सोहना रोड 99.2 प्रतिशत

सफलता पाने के लिए कोई सेट पैटर्न या फिर सीक्रेट नहीं है। नियमित पढ़ाई करें। अपने शिक्षकों से मदद लें क्योंकि शिक्षक हमेशा आपको सफल देखना चाहते हैं। तन्वी कालरा, ब्लू बेल्स पब्लिक स्कूल, 99.6 प्रतिशत

बोर्ड परीक्षा तनाव देने वाली होती है लेकिन उसे तनाव की तरह न लेना ही परीक्षा में सफलता का पहला सूत्र है। दोस्तों के साथ पढ़ाई करें। ग्रुप पढ़ाई में बहुत फायदा पहुंचता है। तारिणी, द श्रीराम मौलसरी स्कूल, 99.25 प्रतिशत

कक्षा में फोकस करें। कक्षा में कॉन्सेप्ट क्लियर हो जाएगा तो घर जाकर एक बार पढ़ना होगा बस। अगर कक्षा में ध्यान नहीं लगाया तो फायदा नहीं होगा। –मेहर जोशी, द श्रीराम स्कूल, मौलसरी, 99.5 प्रतिशत

फिजिक्स मेरा काफी पसंदीदा सब्जेक्ट था। मैंने फिजिक्स पर फोकस किया। अभ्यास किया। मैंने शिक्षकों की काफी मदद ली। स्टडी ग्रुप में काफी मदद मिली। आन्या पाटिल, श्रीराम स्कूल, मौलसरी, 99.5 प्रतिशत

नोट्स बनाकर पढ़ाई करें। विषय को अपने शब्दों में लिखें, फ्लोचार्ट बनाएं। विषयों के संयोजन को थोड़ा अलग बनाएं, इससे पढ़ाई में ज्यादा रुचि बनेगी। आरुषी अग्रवाल, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर 46, 98.4 प्रतिशत

पढ़ाई को बोझ की तरह न लेकर उसे मजे के साथ पढ़ें। जब मन लगने लगेगा तो आप खुद ही पढ़ाई करने के लिए टाइमटेबल बनाकर विषयों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। अरविंद कुमार, लैंडो फ्लोरेंस स्कूल, 95.2 प्रतिशत

पढ़ाई के लिए पहले टाइमटेबल बनाना बहुत जरूरी है। विषयों को विभाजित करें और अपने पसंदीदा विषय से पढ़ाई की शुरुआत करें। ब्रेक ले लेकर पढ़ाई करें। अंशिका गोयल, लॉर्ड जीसस स्कूल, 93.2 प्रतिशत

पढ़ाई को घंटों में न विभाजित करें। थोड़े कमजोर विषयों को ज्यादा समय दें। उन घंटों में पढ़ाई करें जिसमें आप सहज महसूस करते हैं। पढ़ाई का समयनिर्धारण अपने हिसाब से करें। अलख माथुर, ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल

जरूरत है सफलता के मायने जानने की। सफलता को खुशी से जोड़ कर देखें, न कि पैसों से। प्रो. डॉ. छवि भार्गव शर्मा, एक्जीक्यूटिव निदेशक, क्लीनिकल एंड सोशल साइकोलॉजी फैकल्टी, एसजीटीयू